मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 16 अप्रैल 2018

जंग ए आज़ादी का हिस्सा होने के नाते जामिया मिल्लिया का देश में अपना अनूठा और महत्वपूर्ण स्थान है : डा हर्ष वर्धन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया :जेएमआईः में आज वार्षिक दीक्षान्त समारोह आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि, केन्द्रीय मंत्री डा हर्ष वर्धन ने छात्रों को डिग्री और तमग़ों से नवाज़ा। इस मौक़े पर उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय स्वत्रंता आंदोलन का हिस्सा होने के नाते देश में अपना अनूठा और महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

डा वर्धन ने कहा कि इस विश्वविद्यालय के संस्थापक बहुत दूरदर्शी और महान लोग थे, जिन्होंने आज़ादी की लड़ाई का हिस्सा बनने के साथ ही देश की ज़रूरतों के अनुरूप जेएमआई जैसा एक राष्ट्रवादी विश्वविद्यालय स्थापित करने का इरादा किया और तमाम मुश्किलों के बावजूद उसे सच कर दिखाया।

उन्होंने कहा कि शानदार और प्रेरणादायक इतिहास से लैस जेएमआई आज देश के विश्वविद्यालय में उच्च रैंकिंग प्राप्त शैक्षिक संस्थान है और अब विदेशों की रैंकिग में भी इसने अपनी जगह बनानी शुरू करदी है। उन्होंने कहा कि फिल्म और खेल के क्षेत्र में भी इसका अपना एक मुक़ाम है और शाहरूख़ ख़ान , कबीर ख़ान, किरण राव और वीरेन्द्र सहवाग जैसे सितारे यहीं से निकले हैं।

दीक्षांत समारोह में 2017 में पास होने वाले छात्रों को डिग्री और डिप्लोमा कोर्स की 4372 और पी.एचडी की 322 डिग्री दी गईं। इसके साथ ही अपने अपने विषयों

में टॉप करने वाले 165 छात्रों को तमग़ो से सम्मानित किया गया, जिनमें अधिकतर लड़कियां थीं।

जेएमआई की चांसलर और मणिपुर की राज्यपाल डा नजमा हेपतुल्ला ने कहा कि इस विश्वविद्यालय की विरासत बहुत ही अनूठी है। गांधी जी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरोजनी नायडू रवीन्द्रनाथ टैगोर और मौलाना अबुल कलाम आज़ाद जैसी कितनी ही महान हस्तियां जेएमआई जैसे राष्ट्रवादी विश्वविद्यालय को अस्तित्व में लाने से जुड़ी थीं।

उन्होंने बताया कि जेएमआई जब बहुत कठिनाई के दौर से गुज़र रहा था और लगने लगा था कि यह बंद हो जाएगा तब गांधी जी ने कहा था, '' जामिया मिल्लिया इस्लामिया को बचाए रखने के लिए अगर भीख का कटोरा लेकर भी घूमना पड़े, तो मैं उसके लिए तैयार हूं।''

हेपतुल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ' डिजिटल इंडिया ' और ' स्किल इंडिया ' के सपने को पूरा करने में भी जेएमआई पहल कर रहा है। इसने अपनी लाइब्ररेरी का डिजिटलीकरण कर दिया है जिससे देश भर में कहीं से भी छात्र अब अपनी लाइब्ररेरी की किताबों को पढ़ सकते हैं। इसी तरह यह विश्वविद्यालय इलेक्ट्रीशियन, पलंबर, बेकरी, सिलाई, मिस्त्री आदि के अल्प कालिक कोर्स चला कर ' स्किल इंडिया ' को बढ़ावा दे रहा है।

जेएमआई के वाइस चांसलर प्रो तलत अहमद ने कहा, यह गौरव की बात है कि यह देश का अकेला ऐसा विश्वविद्यालय है जो देश की तीनों सेनाओं, थल सेना, वायु सेना और नौसेना के जवानों और अफसरों के लिए आनलाइन बी.ए और एम.ए कोर्स चला रहा है। उन्होंने बताया कि जल्द ही कोस्टल गार्ड्स के लिए भी यह कोर्स उपलब्ध कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि देश जवान बहुत ही कठिन परिस्थितियों में रहते हुए हमारे देश की हिफाज़त करते हैं, ऐसे में हमारा फ़र्ज़ है कि हम भी उनके लिए कुछ करें। प्रो अहमद ने कहा कि सेना के जवान 16–17 की कम उम्र में भर्ती होकर 35–40 साल की कम आयु में ही रिटायर हो जाते हैं। ऐसे में जेएमआई का यह कोर्स, उनके रिटायर होने के बाद अच्छी नौकरी पाने में मददगार साबित हो रहा है।

मास्टर ऑफ लॉ :एलएलएमः की टॉपर छात्रा सुमैरा इम्तियाज़ को डा गुलाम ई वाहनवती गोल्ड मेडल और 50 हज़ार रूपयों के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया

गया। यह पुरस्कार भारत के पूर्व अटार्नी जरनल गुलाम ई वाहनवती के परिवार ने उनके नाम से शुरू किया है।

प्रोफेसर साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर